पंजीकृत / तत्काल

प्रेषक,

निदेशक,
(प्रशासन एवं विकास)
पशुपालन विभाग,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य पशुचिकित्साधिकारी,
आजमगढ़ / बलिया / मऊ / झांसी / ललितपुर / जालौन / चित्रकूट / हमीरपुर / बांदा / महोबा / इलाहाबाद / कौशाम्बी / फतेहपुर / प्रतापगढ़ / मिर्जापुर / सोनभद्र / भदोही / वाराणसी / चन्दौली / गाजीपुर / जौनपुर।

पत्रांक: 99 / चारा / 3डी–59 / रा0यो0 / 2016–17, दिनांक: 12-06-2017

विषय: अपौष्टिक चारे एव सेल्यूलोजिक वेस्टेज को उपचारित कर पौष्टिक बनाने की योजना (रा0यो0) के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक अवगत कराना है कि वित्तीय वर्ष 2016–17 में योजना के संचालन हेतु मानक मद–42 अन्य व्यय तथा 43–सामग्री एवं सम्पूर्ति में कार्यालय के पत्र संख्या–430 / बजट / 29(5)अनु0–15 / 31 / 2015–1 दिनांक 03.03.2017 द्वारा बजट आवंटन किया गया था। योजना संचालन हेतु निर्धारित मानक के अनुसार मे0 सहयोगी इण्टर प्राइजेज, गोमती नगर, लखनऊ से स्प्रिंकलर, लोअर एवं अपर प्लास्टिक शीट तथा मे0 प्रिन्टिको प्रिंटर्स 22 जगत नारायण रोड, लखनऊ से निर्देशिका आप द्वारा क्रय करके सम्बन्धित फर्म को भुगतान किया गया है।

अतः उक्त संदर्भ में निर्देशित किया जाता है कि आवंटित धनराशि के सापेक्ष व्यय की गयी धनराशि का उपयोगिता प्रमाण–पत्र संलग्न प्रारूप के अनुसार तथा लाभार्थियों की सूची दिनांक 20.06.2017 तक प्रत्येक दशा में निदेशालय के भारा सेवा में विशेष वाहक के माध्यम से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे।

संलग्नक–उपयोगिता प्रमाण–पत्र का प्रारूप।

भवदीय,

(डा0 सी0एस0यादव)
निदेशक
प्रशासन एवं विकास।

पत्रांक: / चारा / 3डी–59 / रा0यो0 / 2016–17, दिनांक:

1–प्रतिलिपि– सम्बन्धित मण्डलीय अपर निदेशक ग्रेड–2, पशुपालन विभाग, उ0प्र0 को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि अपने अधीनस्थ मुख्य पशुचिकित्साधिकारी से प्रश्नगत सूचना समयान्तर्गत भिजवाना सुनिश्चित करें।

4–विभागीय बेवसाइट पर अपलोड करने हेतु।

(डा0 सी0एस0यादव)
निदेशक,
प्रशासन एवं विकास।

genral docu. 2016-17

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि जनपद.......................को वर्ष 2016–17 में अपौष्टिक चारे एवं सेल्यूलोजिक वेस्टेज को उपचारित कर पौष्टिक चारा बनाने की योजना (रा0यो0) के अन्तर्गत जो धनराशि दी गयी थी, का पूर्ण उपयोग कर लिया गया है तथा प्राप्त सामग्री को पशुपालकों में निःशुल्क वितरित कर दिया गया। वितरित सामानों की आपूर्ति मे0 ....द्वारा की गयी। जनपद में.......................... पशुपालक उक्त योजना से लाभान्वित किये गये है जो उक्त तकनीकी का उपयोग कर रहे हैं।

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी,
जनपद...........................